UNIVERSITY NEWS ON 18 JANUARY 2026

AMAR UJALA

लखनऊ विवि में 20 को होने वाली परीक्षा अब पुराने परिसर में होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से 20 जनवरी को होने वाली आशुलिपिक भर्ती परीक्षा के चलते लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषय सेमेस्टर परीक्षा के लिए बने केंद्रों में बदलाव किया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि स्नातक व परास्नातक विद्यार्थियों की परीक्षा 20 जनवरी को संबद्ध कॉलेज शिया पीजी कॉलेज, मुमताज पीजी कॉलेज, लखनऊ क्रिश्चयन डिग्री कॉलेज, डीएवी पीजी कॉलेज, शशि भूषण डिग्री कॉलेज, विद्यांत पीजी कॉलेज और नवयुग कन्या महाविद्यालय में होनी थी लेकिन इन कॉलेजों को आयोग की ओर से होने वाली आशुलिपिक भर्ती परीक्षा के लिए भी केंद्र बनाया गया है। (संवाद)

लखनऊ विवि के विद्यार्थियों के पास नौकरी का मौका, 20 तक करें आवेदन

लखनऊ। बाल अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत पंजीकृत गैर लाभकारी संस्था सोशल एक्सियम फाउंडेशन (सीएसएफ) ने अपने प्रमुख प्रोजेक्ट एडवोकेसी एंबेसडर पद पर भर्ती निकाली है। सीएफ ने इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के कैंपस कैरियर एंप्लॉयमेंट सेल के माध्यम से परास्नातक विद्यार्थियों से आवेदन मांगे हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी है। आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in पर भी है। चयनितों को 40 हजार प्रतिमाह के साथ यात्रा भत्ता, नगर भत्ता, चिकित्सा बीमा और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन भी मिलेगा। भर्ती प्रक्रिया के तहत 21 फरवरी को दोपहर 1 से 2 बजे तक साक्षात्कार होगा। इसके लिए छात्रों को ऑनलाइन जुड़ने के लिए ई-मेल से लिंक भेजा जाएगा। (संवाद)

पीरियड लीव नहीं, कार्यस्थल पर सुविधाएं हैं असली समाधान

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। महिलाओं के मासिक धर्म पर पीरियड लीव को समाधान मानने के बजाय यदि कार्यस्थलों पर आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं तो यह अधिक व्यावहारिक और समानता आधारित कदम होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि पीरियड लीव की व्यवस्था कई महिलाओं के महिलाओं के लिए अतिरिक्त जुड़वाव और कार्यस्थल पर भेदभाव का कारण बन सकती है।

यह अध्ययन विधि संकाय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋचा सक्सेना द्वारा विधिगत केसों में

लवविवि विधि संकाय के अध्ययन में सामने आई बात

कार्यरत 100 महिला कर्मचारियों के कार्यस्थलों पर किए गए। अध्ययन में महिला वर्ग के पीरीयड आने वाली पूर्वदीर्घी, मौजूदा दीर्घी और उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण किया गया।

डॉ. सक्सेना ने बताया कि महिला वर्ग केवल महिलाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स और गैर-बाइनरी व्यक्तियों को भी प्रभावित करने वाली एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है, जिसे कार्यस्थल की दीर्घियों में संवेदनशीलता के साथ समझा जाना चाहिए।

एक ही परिसर में चलेंगे लविवि के सभी मैनेजमेंट कोर्स

जल्द ही होगी औपचारिक घोषणा, विद्यार्थियों के स्टार्टअप को मिलेगी गति

रविशंकर गुप्ता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सभी मैनेजमेंट कोर्स एक ही परिसर में संचालित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी कार्ययोजना तैयार कर ली है और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी मैनेजमेंट कोर्स एक स्थान पर संचालित होने से अधिक संख्या में विद्यार्थियों को आपसी संवाद, संयुक्त गतिविधियों और शैक्षणिक संसाधनों का बेहतर लाभ मिलेगा। वर्तमान में ओल्ड कैंपस में एमबीए विभाग तथा जानकीपुरम कैंपस स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) में मैनेजमेंट कोर्स संचालित हो रहे हैं। अब दोनों स्थानों के कोर्स एक परिसर में लाए जाएंगे।

अब तक मैनेजमेंट विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाएं अलग-अलग कैंपस में आयोजित होती थीं, लेकिन एक ही परिसर में संचालन से सामूहिक कार्यशालाओं, सेमिनार और इंडस्ट्री इंटरैक्शन का सीधा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय जल्द ही विद्यार्थियों से उनके स्टार्टअप आइडिया आमंत्रित करेगा और उन्हें प्रमोट भी किया जाएगा। (संवाद)

■ **आर्ट कॉलेज के विद्यार्थी ऑनलाइन बेच सकेंगे अपनी पेंटिंग :** विवि के आर्ट कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी कला के प्रदर्शन और बिक्री का नया मंच मिलेगा। छात्र अपनी पेंटिंग और तैयार मूर्तियों को विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित कर सकेंगे और सीधे बिक्री भी कर पाएंगे। इसके साथ ही उन्हें ऑनलाइन कारोबार शुरू करने और उसे संचालित करने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

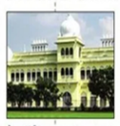

■ **पहली बार होगी विजिलेंस ऑफिसर की तैनाती, जांच में 'ओके' तो मिलेगा गुरुजी को प्रमोशन :** कॅरिअर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत प्रमोशन प्रक्रिया के लिए कुलपति ने समीक्षा बैठक की। कैस आवेदनों में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आवेदन समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से निपटाए जाएं।

अब प्रमोशन से पहले प्रत्येक शिक्षक की विजिलेंस रिपोर्ट और चरित्र प्रमाणपत्र अनिवार्य होगा। इसके लिए विवि में पहली बार एक विजिलेंस ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी। जांच में सब कुछ सही पाए जाने पर ही प्रमोशन दिया जाएगा। कुलपति ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी आवेदन में कोई कमी या विसंगति हो तो संबंधित शिक्षक को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर तत्काल समाधान किया जाए। जिन शिक्षकों का प्रमोशन प्रस्तावित है, उनके दस्तावेज समय से उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी विभागाध्यक्षों, डीन और इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) के निदेशक को सौंपी गई है। लापरवाही की स्थिति में संबंधित विभागाध्यक्ष जिम्मेदार होंगे।

I NEXT

नीड टू ब्लीड, हाईजीन ऑर लीव

एलयू लॉ फैकल्टी की तरफ से पेड मेंस्ट्रुअल लीव को लेकर की गई रिसर्च

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(17 Jan): वर्कप्लेस पर पेड मेंस्ट्रुअल लीव का मामला टाइम टू टाइम इंडिया के अलग-अलग राज्यों में उठता रहा है, जिसमें से यूपी भी एक है. सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने इस मामले पर मॉडल नीति बनाने का भी सजेशन दिया था, लेकिन कोई विशेष कदम अभी तक तो नहीं उठाया जा सका है. जबकि जापान, चीन, ताइवान, साउथ कोरिया, इंडोनेशिया, जापान देशों में पेड पीरियड लीव नीति लागू की गई है. इसी मुद्दे को लेकर लखनऊ यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ लॉ की प्रोफेसर डॉ. ऋचा सक्सेना ने रिसर्च स्टडी की, जिसे लॉ जर्नल में पब्लिश भी किया गया है.

मेंस्ट्रुएशन एक नेचुरल प्रोसेस

डॉ सक्सेना ने अपनी रिसर्च स्टडी में यह साफ किया है कि मेंस्ट्रुएशन पूरी तरह से एक नेचुरल प्रोसेस है, जो फोमेल्स के साथ-साथ ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स और नॉन बाइनरी पर्सन्स को भी इफेक्ट करती हैं. इस साइकल के दौरान वर्कप्लेस पर बॉडी को रेस्ट के साथ-साथ वॉश(वॉटर, सैनिटेशन और हाईजीन) जैसी सुविधाओं की जरूरत होती है, जिनका न होना भी कंडीशन को खराब कर सकता है. इसका ध्यान रखना चाहिए.

पीरियड पार्टर्टी और मैनेजमेंट को लेकर सुझाव

डॉ. सक्सेना ने अपनी रिसर्च स्टडी में दो इम्पोर्टेंट पाइंट्स को हाईलाइट किया है, जिसमें पहली पीरियड पार्टर्टी है. जिसमें वलीन वॉटर, वॉशरूम और हाईजीन प्रोडक्ट्स की कमी को शामिल किया गया है और दूसरा पीरियड मैनेजमेंट है. जिसमें वर्कप्लेस पर अच्छा एनवायरमेंट और सुविधाओं की जरूरत को शामिल किया गया है. मेंस्ट्रुअल हाईजीन और स्टूडेंट्स के फ्यूचर में ये अहम भूमिका निभा सकते हैं, जिसको देखते हुए डिपार्टमेंट की तरफ से इन्हें री-स्टांच करने की योजना बनाई जा रही है.

एलयू में फिर से शुरू होंगे 45 साल पहले बंद किए गए कोर्स

एलयू एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट के 75 साल पूरे होने पर बंद कोर्सेज होंगे री-लांच

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(17 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी के एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट की स्थापना को 75 साल पूरे होने वाले हैं और डिपार्टमेंट अपनी प्लेटिनम जुबली मना रहा है. 75 साल पूरे होने पर डिपार्टमेंट पर डिपार्टमेंट अपने उन कोर्सेज को रिलांच करने की तैयारी कर रहा है, जो कभी फैकल्टी की कमी की वजह से बंद हो गए थे. डिपार्टमेंट आर्कियोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी, सोशियो-कल्चरल एंथ्रोपोलॉजी, और बायोलॉजिकल एंड फिजिकल एंथ्रोपोलॉजी को 45 साल के बाद एक बार फिर से रिलांच करने जा रहा है.

1981 में बंद किए गए थे कोर्स

साल 1981 में फैकल्टी कम होने की वजह से इनकी पढाई बंद हो गई थी, हालांकि आज भी एंथ्रोपोलॉजी के फील्ड में इनका विशेष महत्व है और स्टूडेंट्स के फ्यूचर में ये अहम भूमिका निभा सकते हैं, जिसको देखते हुए डिपार्टमेंट की तरफ से इन्हें री-लांच करने की योजना बनाई जा रही है.

75 साल पूरे होने वाले हैं लखनऊ यूनिवर्सिटी के एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट की स्थापना को

लैब्स में भी होगा सुधार

एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट एकेडमिक इंटिग्रिटी को बढ़ाने के साथ-साथ साइटोजेनेटिक्स लैब को भी एडवांस सुविधाओं से मजबूत करने की तैयारी कर रहा है, जिससे कि स्टूडेंट्स को किसी तरह की प्रॉब्लम ना हो और वो बेहतर तरीके से चीजों को समझकर आगे बढ़ सकें.

एंथ्रोपोथेरेपी में बेहतर करियर

एंथ्रोपोथेरेपी एंथ्रोपोलॉजी का ही एक पार्ट है, जिसमें इमर्जिंग करियर अपॉर्चुनिटीज उभर कर सामने आ रही हैं. एलयू के एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट के कुछ स्टूडेंट्स को इस फील्ड में बेहतर अपॉर्चुनिटी भी मिली हैं और अब डिपार्टमेंट इसे एक ऑप्शनल सब्जेक्ट के तौर पर शुरू करने जा रहा है. जिसमें 30 सीटों पर एडमिशन लेने की योजना है. एकेडमिक कउंसिल से पास होने के बाद इसमें एडमिशन की शुरूआत की जाएगी. इसके साथ ही एक वैल्यू एडेड कोर्स एंथ्रोपोलॉजिकल लेंगेसी एंड इंटियन नॉलेज सिस्टम पर भी शुरू किया जा रहा है, जिससे कि स्टूडेंट्स को भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ जोड़ा जा सके.

एग्जाम सेंटर्स में बदलाव

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 20 जनवरी को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित आशुलिपिक परीक्षा की वजह से अपने सात केंद्रों में बदलाव कर दिया. परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी सूचना के अनुसार शिया पीजी कालेज, मुमताज पीजी कालेज, लखनऊ क्रिश्चियन डिग्री कालेज, डीएवी पीजी कालेज, शशि भूषण डिग्री कालेज, विद्यांत पीजी कालेज और नवयुग कन्या महाविद्यालय में 20 जनवरी को सुबह और शाम की पाली की परीक्षाएं अब उसी दिन व समय लखनऊ विश्वविद्यालय ओल्ड कैंपस में आयोजित की जाएंगी.

TIMES OF INDIA

LU researchers enhance lettuce with vital nutrients

Offer Sustainable Alternative to Chemical Fertilisers

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

Lucknow: Imagine enjoying a salad and getting a boost of essential nutrients like calcium, magnesium, and iron from the lettuce itself, potentially reducing the need for supplements. This may be a reality in the coming year, thanks to a groundbreaking development by researchers at the University of Lucknow.

Led by Professor Mohammad Israil Ansari from the Department of Botany, a team has successfully harnessed nanotechnology to enhance lettuce cultivation, promising more vitamins and minerals in this everyday vegetable. This innovative approach could revolutionize how we consume and benefit from leafy greens, making healthy eating even more accessible and effective.

The research, recently published in the prestigious journal Biocatalysis and Agricultural Biotechnology, introduces a pioneering method using gamma-aminobutyric acid (GABA) stabilised gold nanoparticles. This innovative approach not only enhances yield but also enriches the nutritional content of lettuce, a staple in global cuisines.

"This eco-friendly technology leverages GABA's natural properties as a stabiliser and bioactive agent, known for its role in plant signalling and stress resistance. The result is a significant boost in plant growth and metabolic activity, marking a sustainable shift in agricultural practices," said Prof Ansari.

He said lettuce is a nutritionally rich leafy vegetable, celebrated for its dietary fibre, calcium, iron, and vitamins A, K, and C. It is a low-calorie, sodium-light food, abundant in essential minerals like potassium and folate, making it a cornerstone of healthy diets worldwide. Beyond its nutritional benefits, lettuce also offers therapeutic advantages, potentially protecting against oxidative damage, cancer, Alzheimer's disease, and diabetes.

"The study highlights that seeds treated with GABA-mediated gold nanoparticles showed remarkable improvements in germination, chlorophyll content, and antioxidant enzyme activity. Additionally, the uptake of crucial minerals such as calcium, magnesium, and iron was significantly enhanced, resulting in healthier and more resilient plants," he said.

Prof Ansari emphasised the potential of this green nanotechnology as a sustainable alternative to chemical fertilisers. "This innovation could help farmers increase the yield and quality of lettuce and other crops, paving the way for improved food security and environmental resilience," he stated. He added that as the global demand for sustainable agricultural practices grows, this breakthrough offers a promising path forward, aligning with efforts to ensure food security while minimising environmental impact.

DAINIK JAGRAN

नौकरी के लिए 20 तक आवेदन, मिलेंगे 40 हजार प्रतिमाह

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोशल एक्सियम फाउंडेशन में प्रोजेक्ट सीएसीए के अंतर्गत एडवोकेसी एम्बेसडर पद के लिए आवेदन की सूचना जारी की है। इसमें यह एक पद प्रवेश-स्तरीय है, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को पैन इंडिया पोस्टिंग दी जाएगी। नियुक्ति की अवधि जून से अगस्त के बीच प्रस्तावित है। स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष या उत्तीर्ण विद्यार्थी आवेदन करने के पात्र हैं।

कंपनी के अनुसार, कार्य-दायित्वों में विद्यालयों में एडवोकेसी गतिविधियां, प्रशिक्षण एवं संवेदनशीलता कार्यक्रमों का संचालन और शैक्षणिक सामग्री की समीक्षा शामिल होगी। चयनित अभ्यर्थियों को प्रारंभ में एक माह का प्रशिक्षण-सह-प्रोबेशन प्रदान किया जाएगा। इस पद पर 40,000 प्रतिमाह वेतन के साथ यात्रा भत्ता, नगर भत्ता, चिकित्सा बीमा तथा प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन भी शामिल होंगे। चयन प्रक्रिया में कैंपस साक्षात्कार एवं ऑनलाइन साक्षात्कार दोनों शामिल रहेंगे।

कैस प्रमोशन के आवेदन संग विजिलेंस रिपोर्ट अनिवार्य

जागरण संवाददाता ● लखनऊ : कैरियर उन्नयन योजना (कैस) के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों के प्रमोशन के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ अब सतर्कता (विजिलेंस) रिपोर्ट और चरित्र प्रमाणपत्र संलग्न होना अनिवार्य है। सभी कैस आवेदन पूर्ण होने चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय में जल्द ही एक विजिलेंस आफिसर भी नियुक्त करेगा, जिसकी रिपोर्ट पर प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

दस्तावेजों की पूर्णता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी विभागाध्यक्षों, डीन तथा आइक्यूएसी निदेशक को सौंपी गई। यह निर्देश शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने कैस प्रमोशन की प्रगति की समीक्षा बैठक में विभागाध्यक्षों और संकायाध्यक्षों को दिए। कुलपति ने कहा कि शिक्षकों के प्रमोशन की संपूर्ण प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। वरिष्ठ प्रोफेसर के लिए किए गए सभी आवेदन उचित प्रक्रिया के साथ समयबद्ध तरीके से निपटाए जाएं। बैठक में कुलपति ने कैस

आवेदनों की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि संपूर्ण प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा किया जाए। कुलपति ने पारदर्शिता और दक्षता पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि यदि किसी आवेदन में कोई प्रश्न, विसंगति या कमी हो तो संबंधित शिक्षक को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर उनकी समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक प्रक्रियात्मक देरी न केवल शैक्षणिक मनोबल को प्रभावित करती है, बल्कि संस्थागत कार्यप्रणाली और मानव संसाधन की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल असर डालती है, इसलिए इससे बचना जरूरी है। कुलपति ने सभी शैक्षणिक और प्रशासनिक प्राधिकरणों से निकट समन्वय में कार्य करने का आग्रह किया।

HINDUSTAN

पीजी छात्र नौकरी के लिए 20 तक आवेदन करें

एलयू के सीपीसी की ओर से बाल अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत पंजीकृत गैर-लाभकारी संस्था सोशल एक्सियम फाउंडेशन ने अपने प्रमुख प्रोजेक्ट सीएसीए के अंतर्गत एडवोकेसी एम्बेसडर पद के लिए भर्ती की घोषणा की है।

DAINIK JAGRAN

वरिष्ठ प्रोफेसर के आवेदन समय से निपटाएं: कुलपति

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शिक्षकों की कैरियर उन्नयन योजना (सीएएस) पदोन्नति की प्रगति की समीक्षा के लिए विभागाध्यक्षों और संकायाध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की।

बैठक में कुलपति ने सीएएस आवेदनों की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि संपूर्ण प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ प्रोफेसर के लिए किए गए सभी आवेदन उचित प्रक्रिया के साथ समयबद्ध तरीके से निपटाए जाएं और आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

विजिलेंस अफसर की नियुक्ति की जाएगी

कुलपति ने स्पष्ट किया कि सीएएस आवेदन हर दृष्टि से पूर्ण होने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन के साथ सतर्कता (विजिलेंस) रिपोर्ट और चरित्र प्रमाणपत्र संलग्न होना अनिवार्य है। उन्होंने विश्वविद्यालय में शीघ्र विजिलेंस ऑफिसर नियुक्त करने के आदेश भी दिए।

NBT

शिक्षकों के प्रमोशन में देरी से नए वीसी नाराज

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने आते ही शिक्षकों के हक में फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शनिवार को वीसी ने विभागाध्यक्षों की एक बैठक बुलाई। इसमें जिन विभागों में शिक्षकों के प्रमोशन लंबित हैं और लंबे समय से नहीं हो रहे हैं उनका ब्योरा लिया। इस पर वीसी ने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिया है कि प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द सभी शिक्षकों के प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू की जाए।

वरिष्ठ प्रफेसरों के लिए किए गए आवेदनों पर विशेष निर्देश दिया कि उन्हें समयबद्ध तरीके से निपटाया जाए और किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा। लखनऊ विश्वविद्यालय में करियर एडवांसमेंट स्कीम (CAS) के तहत शिक्षकों के प्रमोशन बड़े पैमाने पर लंबित थे। शिक्षकों की ओर से पूर्व वीसी पर आरोप भी लगाया गया था कि सिर्फ चहेतों को प्रमोट किया जा रहा है जिसमें कुछ शिक्षक कोर्ट तक चले गए। इसी को लेकर शिक्षक एलयू प्रशासन से नाराज चल रहे थे। नए वीसी ने आते ही सबसे पहले उन शिक्षकों की नाराजगी दूर करने के लिए समय से प्रमोशन करने की तैयारी शुरू कर दी है। कुलपति ने कहा कि प्रमोशन के लिए आवेदन हर दृष्टि से पूर्ण होने चाहिए। प्रत्येक आवेदन के साथ सतर्कता (विजिलेंस) रिपोर्ट और चरित्र प्रमाणपत्र भी संलग्न किया जाए। विजिलेंस ऑफिसर के स्तर से इस काम को किया जाएगा। सभी शैक्षणिक और प्रशासनिक प्राधिकरणों से समन्वय किया जाए ताकि CAS मामलों का जल्द निपटारा सुनिश्चित हो सके।

DAINIK JAGRAN

लवि : सात परीक्षा केंद्रों में बदलाव, सूची जारी

जासं ● लखनऊ : लवि ने 20 जनवरी को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित आशुलिपिक परीक्षा की वजह से अपने सात केंद्रों में बदलाव कर दिया है। शिया कालेज, मुमताज कालेज, क्रिश्चियन कालेज, डीएवी कालेज, शशि भूषण डिग्री कालेज, विद्यांत पीजी कालेज और नवयुग कालेज की जगह लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में आयोजित की जाएगी।

TIMES OF INDIA

LU anthro dept marks 75 yrs with new courses and revival of legacy

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: The department of anthropology at Lucknow University is marking 75 years of academic excellence by reconnecting with its rich intellectual legacy while charting a renewed, future-oriented academic path.

Widely referred to as the School of Anthropology, the department earned this distinction for its pioneering role in shaping anthropology as a comprehensive and independent discipline in India, while nurturing several eminent scholars and leading personalities in the field.

Anthropology was taught along with economics and sociology in the Arts Block till 1951.

The origins of separate LU's anthropology department can be traced to the arrival of DN Majumdar, who initially came to the university to teach a paper on primitive (tribal) economy, thereby promoting the cause of anthropology in Northern India. After returning to London for research work, Majumdar later came back to India in search of an academic position and was once again invited by Lucknow anthropologist and retired LU professor Nadeem Hasnain, said: "It was Majumdar's unwavering commitment to anthropology that compelled the university to recognise the discipline as an independent department."

As part of its diamond jubilee celebrations, the department has introduced anthropotherapy as a new optional stream with an intake of 30 students. Alongside, a value-added course on Anthropological Legacy and the Indian Knowledge System (IKS) has been launched to bridge classical anthropological thought with contemporary societal challenges. The department also is introducing a new course on cultural anthropology, biological and physical anthropology, and archaeological anthropology.

These core disciplines were discontinued in 1981 due to faculty shortages and are set to return from the next academic session.

The department carries a distinguished scholarly legacy shaped by eminent anthropologists such as Prof DN Majumdar, Prof Gopal Sharan, Prof KS Mathur, Prof TN Madan, Prof SK Khare, Prof DK Sen, Prof RP Srivastava, Prof RK Jain and Prof VN Mishra.

Focus on anthropological museum

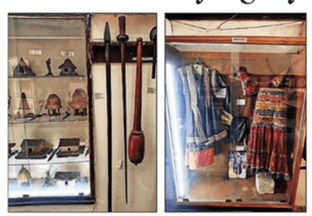

Artefacts worth crores of rupees at anthropological museum

TIMES OF INDIA

Colon cancer: Research discovers plant-based compounds for treatment

Times News Network

Lucknow: A new research has found two natural compounds in a Himalayan plant that has the potential of treating colon cancer.

The joint research was carried out by LU's botany department assistant professor Neha Sahu, along with retired scientist KR Arya from Central Drug Research Institute (CDRI), Lucknow, and experts from Saveetha Medical College and Hospital, Chennai, and SGT University, Gurugram.

The team found two natural compounds in the plant Sarcococca saligna, also known as Sweet Box, which grows in the Himalayan region of Uttarakhand. These compounds can kill colon cancer cells without harming healthy cells.

The study was published in the journal American Chemistry Society Omega.

"Previously the plant was studied mainly in Pakistan and China. The research shows the potential of using natural compounds from plants to develop safer cancer treatments with fewer side effects than traditional chemotherapy," said Neha Sahu.

She said the team used advanced computer models to understand how these compounds work at the molecular level, confirming their potential for effective cancer treatments.

"The study also highlights the rich medicinal biodiversity of the Indian Himalayas and suggests that local plants could be cultivated for medical use, benefiting both healthcare and local communities," she said.

The team said the discovery has significant societal and healthcare implications. Colon cancer is among the top five most common cancers in India, and current treatments often cause severe side effects and resistance. The identification of plant-derived compounds that selectively kill cancer cells while sparing normal ones opens a path toward developing safer, affordable, and eco-friendly therapies.

"This study highlights the untapped medicinal wealth of the Indian Himalayas, encouraging local cultivation and sustainable use of indigenous plants. Such research contributes not only to public health improvement but also to rural livelihood, conservation and the promotion of India's traditional medicinal knowledge on a global platform," said Lucknow University spokesperson Mukul Srivastava.

The team found two natural compounds in the plant Sarcococca saligna, also known as Sweet Box, which can kill colon cancer cells without harming healthy cells

VOICE OF LUCKNOW

लविवि में जल्द नियुक्त करें विजिलेंस ऑफिसर : जेपी सैनी

● लविवि में सीएएस पदोन्नति पर कुलपति ने की समीक्षा बैठक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शनिवार को शिक्षकों की कैरियर उन्नयन योजना (कैरियर एडवांसमेंट स्कीम- सीएएस) पदोन्नति की प्रगति की समीक्षा के लिए विभागाध्यक्षों और संकायाध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में कुलपति ने सीएएस आवेदनों की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि संपूर्ण प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ प्रोफेसर के लिए किए गए सभी आवेदन उचित प्रक्रिया के साथ समयबद्ध तरीके से निपटाए जाएं और किसी भी आवेदन को लंबित न रखा जाए।

कुलपति ने पारदर्शिता और दक्षता पर बल देते हुए निर्देश दिया कि यदि किसी आवेदन में कोई प्रश्न, विसंगति या कमी हो तो संबंधित शिक्षक को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर उनकी समस्या का तुरंत समाधान किया जाए।

उन्होंने रेखांकित किया कि अनावश्यक प्रक्रियात्मक देरी न केवल शैक्षणिक मनोबल को प्रभावित करती है बल्कि संस्थागत कार्यप्रणाली और मानव संसाधन की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल असर डालती है। बैठक में कुलपति ने आगे स्पष्ट किया कि सभी सीएएस आवेदन हर दृष्टि से पूर्ण होने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन के साथ सतर्कता (विजीलेंस) रिपोर्ट और चरित्र प्रमाणपत्र संलग्न होना अनिवार्य है। इस संबंध में उन्होंने विश्वविद्यालय में शीघ्र ही एक विजलेंस ऑफिसर नियुक्त करने के आदेश भी दिए। दस्तावेजों की पूर्णता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी विभागाध्यक्षों, डीन तथा आईक्यूएसी निदेशक को सौंपी गई।